# अभिव्यक्ति

ज्ञान प्रसार एक महत्वपूर्ण कला है। यदि अर्जित ज्ञान का प्रसारण न किया जाये तो उसके अपेक्षित लाभ से वंचित रहना पड़ता है। ज्ञान की वृद्धि तथा समाज के स्तर पर ज्ञान का उपयोग तभी कारगर हो सकता है। जब हम उपलब्ध ज्ञान को उसके जिज्ञासु जन तक प्रसार करें।

ज्ञान-विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में भारत ने अपना वर्चस्व बना रखा है। उदाहरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आयुर्विज्ञान, जैवतकनीकी के क्षेत्रों में भारत की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। आज के युग में ज्ञान आधारित औद्योगिकीय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसी स्थिति में यदि हमें अपने समाज को और राष्ट्र को शक्तिशाली बनाना है। तो हमें जन-जन तक शिक्षा व ज्ञान का प्रसार करना होगा। ज्ञान को प्रसारित करने को एक महत्वपूर्ण व सार्थक साधन दूरस्थ शिक्षा प्रणाली है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर का यह संचालनालय दूरस्थ शिक्षा प्राप्त करने का सुयोग्य अवसर प्रदान करता है। यह संचालनालय विभिन्न पाठ्यक्रमों को दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है और इसके लिए तत्पर है। अतः ज्ञान वृद्धि जिज्ञासुजन दूरस्थ श्िाक्षा द्वारा प्रदत्त ज्ञान अर्जन की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। मेरी शुभकामना है कि आप इस दिशा में अपनी सफलतम प्राप्ति कर सके तथा इस ज्ञान के द्वारा अपने जीवन तथा कार्यक्षैत्र में उन्नति कर सकें।

भारतीय दूरस्थ शिक्षा परिषद् नई दिल्ली, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा मध्यप्रदेश शासन के अत्यन्त आभारी है, जिनके सहयोग एंव समर्थन से आज हमें यह कार्य करने मे सहयोग मिला। मैं इन सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

संचालक,<br>
दूरस्थ शिक्षा, संचालनालय<br>
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर।